CLASS → ③ दिल्ली सल्तनत (खिलजी / तुगलक / लोदी वंश) Part-2

Trick: सख्त सा लोड़ा
(S K t) (Sa) la → lodi

Slave khilji tuglaq Saiyyad

➤ मोहम्मद बिन कासिम 712 ई. में भारत में आक्रमण करने वाला पहला आक्रमणकर्ता था। → सिंध प्रांत में उसने आक्रमण किया था

➤ फिर महमूद गजनवी आया और इसने 17 आक्रमण किए (16वां → सोमनाथ वाला)

➤ फिर मोहम्मद गोरी आया जिसने 1191 ई. में तराइन का प्रथम युद्ध व तराइन का दूसरा युद्ध 1192 ई. में लड़ा। और दूसरे तराइन युद्ध को जीता।

➤ फिर उसके गुलाम और दामाद कुतुबुद्दीन ऐबक ने गुलाम वंश की स्थापना की, चौगान या पोलो खेलते समय उसकी मृत्यु हो गयी थी।

➤ कुतुबउद्दीन ऐबक ने → कुव्वत उल इस्लाम, → अढाई दिन का झोपड़ा — ये कुछ स्थापत्य बनवाए। (architecture)

➤ कुतुबउद्दीन ऐबक ने ही कुतुबमीनार का निर्माण शुरु करवाया जिसको Complete करवाया इसी के गुलाम और दामाद → इल्तुतमिश ने
- → 73 मीटर लम्बी
- → 5 मंजिल इमारत है
- → tower of victory कहते हैं

➤ फिर रजिया आयी जो इल्तुतमिश की बेटी थी; वह मध्यकालीन भारत की एकमात्र महिला शासिका थी।

➤ अल्तुनिया के साथ रजिया का विवाह हुआ; खोखर जनजाति ने इन दोनों की हत्या कर दी थी जब ये दिल्ली लौट रही थी अल्तुनिया के साथ।

➤ फिर छोटे-छोटे शासक (Rulers) आए फिर actual में बलबन ने यहाँ पर शासन setup किया।

➤ बलबन के बाद आता है दिल्ली सल्तनत के गुलाम वंश का अंतिम शासक → कैकुबाद (बलबन का पोता (grandson) था)

* खिलजी वंश (1290-1320 ई. तक) *

जलालुददीन खिलजी (1290 - 1296 ई. तक) ÷

- जलालुददीन खिलजी ही खिलजी वंश का संस्थापक था।
- जलालुददीन खिलजी का भतीजा और दामाद था → अलाउददीन खिलजी जिसने 1296 से 1316 तक शासन किया।

Imp. अलाउददीन खिलजी (1296 - 1316 ई. तक) ÷ (Imp.)

- महत्वपूर्ण शासको मे से एक माना जाता है → अलाउददीन खिलजी को
- अलाउददीन खिलजी ने ही जलालुउददीन खिलजी की हत्या कर दी थी और खुद गद्दी (सिंहासन) पर बैठ गया।

अलाउददीन का साम्राज्यवाद (Alauddin's Imperialism)

- अलाउददीन खिलजी बहुत सारे राज्यो (States) पर कब्जा (annexed) करने के लिए जाना जाता है।
- इसीलिए इसे One of the greatest ruler बोलते है क्योंकि इसने दक्षिण भारत तक cover किया था यानि जीता था।
- सबसे पहला अभियान (Expedition) किया → गुजरात में (1298 ई मे) और कब्जा किया गुजरात मे

  (जो year आयेंगे उनको याद करने की जरूरत नही)

  - दूसरा अभियान (2nd expedition) → रणथम्बोर में (1301 ई मे)
  - तीसरा अभियान → मेवाड मे (1303 ई मे)
    - → राजधानी ÷ चित्तौड

- Note: 'पदमावत' पुस्तक को लिखा → 'मलिक मोहम्मद जायसी' ने
  - ये लगभग यहाँ से 200 साल बाद शेरशाह सूरी के time पर लिखी गयी थी।
  - इतिहासकार मानते है जब अलाउददीन खिलजी ने आक्रमण किया मेवाड पर तो वहाँ के राजा रत्नसिंह ने हार पहले ही मान ली थी।

PARMAR SSC

- चौथा अभियान किया → मालवा में (1305 ई. में)
- पांचवा अभियान किया → जालोर में (1311 ई. में)

(केवल इन स्थान रखें Date की जरूरत नहीं)

→ अलाउद्दीन खिलजी जाना जाता है अपने साम्राज्यवाद के लिए (दक्षिण भारत में)

→ दक्षिण भारत में इसने अभियान किए।

→ दक्कन में अलाउद्दीन खिलजी की सेना का नेतृत्व किया (led by) → मलिक काफूर ने

- ✱ ये एक तरीके से हिजड़ा (eunuch) था
- ✱ इसमें काफी ज्यादा सैन्य नेतृत्व के गुणों को देखा गया
- ✱ दक्षिण में अलाउद्दीन ने जितने भी अभियान किए वो इसी के नेतृत्व में हुए थे (अलाउद्दीन तो दिल्ली में ही बैठा रहा)

[(चित्तौड़ में दोनों गए थे) लेकिन दक्षिण भारत में मलिक काफूर ही lead कर रहा था।]

मलिक काफूर ने हराया :-

(इन सबको रटने की जरूरत नहीं)

- रामचंद्र (देवगिरि के यादव शासक)
- फिर प्रतापरुद्रदेव (वारंगल के काकातीय शासक)
- फिर वीर भल्लाल III (द्वारसमुद्र के होयसल शासक)
- फिर वीर पाड्य (मदुरई के पाड्य शासक) को हराया।

→ 1000 दीनार देके अलाउद्दीन खिलजी ने मलिक काफूर को गुजरात के अभियान के दौरान गुलामो के बाजार से खरीदा था इसको (मलिक काफूर को)

→ इसीलिए मलिक काफूर को हजार दिनारी के नाम से भी जानते हैं

सबसे Southern most kingdom (महाजनपद में) था → अस्सक

↓ यही बाद में सातवाहन की राजधानी बनी जिसको बोलते है

- पैठान / प्रतिष्ठान

↓ राष्ट्रकूट के कमजोर होने पर यही यादव और काकातीय प्रकट हुए यादव ने अपनी राजधानी बनायी

- देवगिरि (यह वही देवगिरि है जो पैठान है, अस्सक है)

↓ यही बाद में बनी

- दौलताबाद

↓ यही बाद में बनी

- औरंगाबाद

↓ अब सरकार ने नाम रखा

- शम्भाजी नगर

→ अलाउद्दीन खिलजी ने दक्कन पर (दक्षिण भारत के) शासन बना लिया तो इसने सिकन्दर-ए-सैनी की उपाधि ली।

PARMAR SSC

* अलाउददीन खिलजी के प्रशासनिक सुधार (Administrative Reforms) *

- अलाउददीन खिलजी ने दाग (घोडो को दागना) और चेहरा/हुलिया (सैनिको की वर्णनात्मक सूची) की प्रणाली (प्रथा) शुरु की।
  - दाग → ठप्पा (घोडो पर)

- इक्ता → भूमि का एक भाग जो 40 nobel man को दी जाती थी जिनको तुर्क-ए-चहलगानी भी कहते हैं
  - इक्ता को जो Hold करते थे वो → मुक्ति कहलाते है।
  - → इक्ता को शुरु किया था इल्तुतमिश ने [Trick ÷ I for Ikta, I for Iltutamis]

- अलाउददीन ने आदेश दिया कि सभी भूमि को मापा जाए और फिर राज्य का हिस्सा तय किया जाए
  - भूमि को मापा → विशेष अधिकारी द्वारा → मुस्तखराज
- अलाउददीन ने भारी कर (Heavy tax) लगाए

- राजस्व संग्रहण (Collection of Revenue) के उददेश्य से मुस्तखराज नामक विशेष अधिकारी का पद सृजित किया गया था।
  - मुस्तखराज → (राजस्व एकत्रित)
  - खराज → type of tax (कर का एक प्रकार जो उपज करने वाले को देना होता था)

- अलाउददीन ने 3 प्रकार के कर लगाए थे। (SSC माना था)
  1. जजिया → Non-muslims (गैर मुसलमानो) पर लगता था।
  2. घरई → House tax (निवास कर)
  3. चरई → Pastoral tax (चरवाह कर)

  → जजिया कर को सबसे पहले मोहम्मद बिन कासिम ने केवल सिंध प्रांत में लगाया था काफिर (non-muslims) पर

  जकात कर → ये धनी मुसलमानो पर लगता था

- अलाउददीन खिलजी अपने बाजार नियंत्रण के लिए बहुत जाना जाता है। अलाउददीन ने दिल्ली में तीन बाजार स्थापित किए ÷
  - एक बाजार → खाद्यान्न के लिए
  - दूसरा → महंगे कपड़ो के लिए
  - और तीसरा → घोड़ो, दासो और मवेशियो के लिए

- बहुत बडी संख्या मे सेना रख रखी थी इसने लगभग 2.5 लाख की army

PARMAR SSC

- प्रत्येक बाजार शाहना नामक एक उच्च अधिकारी के नियंत्रण में था जो व्यापारियों का एक रजिस्टर रखता था और दुकानदारों और कीमतों पर सख्ती से नियंत्रण करता (रखता) था।

- बाजार पर नजर दो अधिकारियों → दीवान-ए-रियासत और शाहना-ए-मंडी द्वारा रखी जाती थी।

- बिक्री के लिए सारा सामान सारा-ए अदल नामक खुले बाजार में लाया जाता था। यानि कोई सामान Hoard (इकट्ठा) करके नही रख सकता था।

Architecture (स्थापत्य)

- अलाउद्दीन खिलजी द्वारा कई किले बनवाए गए और उनमें से सबसे महत्वपूर्ण अलाई किला था। उन्होंने कुतुबमीनार के प्रवेश द्वार अलाई दरवाजा का भी निर्माण कराया। अलाउद्दीन खिलजी ने हजार खंभो का महल (दिल्ली में) भी बनवाया जिसे "हजार सुतून" कहा जाता है।

- अलाउद्दीन खिलजी ने दिल्ली के दूसरे (2nd city) शहर → 'सिरी' की स्थापना की

  दिल्ली → 7 शहरों से मिलकर बना हुआ है
  - पहली → लालकोट (इसे किला रायपिथौरा के नाम से भी जाना जाता है) → तोमर वंश ने स्थापित किया था
  - सिरी (दूसरी city) → अलाउद्दीन खिलजी ने स्थापित किया था।
  - तीसरी → तुगलकाबाद
  - चौथी → जहाँपनाह
  - पांचवी → फिरोजाबाद

- अलाउद्दीन खिलजी ने हौज खास (पानी का टैंक) बनवाया → दिल्ली के दक्षिण में।

- अलाउद्दीन का मकबरा (tomb) → दिल्ली

- अलाउद्दीन खिलजी कला और विद्या (art and learning) के संरक्षक थे।
- कवि-संगीतकार अमीर खुसरो और उनके पसंदीदा दरबारी (Court poet) कवि थे।
  - तूती-ए-हिन्द (Parrot of India) बोला जाता है।
  - भारत में कव्वाली शुरु करने का Credit इसी को जाता है
  - इसी ने अलाउद्दीन को 'सुल्तान-ए-जहाँ' की उपाधि दी थी।

PARMAR SSC

➤ 1316 में, अलाउद्दीन की मृत्यु के बाद, मलिक काफूर, जिसे हजारदिनारी कहा जाता है, ने सिंहासन पर कब्जा (Seized) किया। लेकिन 35 दिन ही रह पाया था। हत्या कर दी गयी थी इसकी।

मुबारक खान (1316-1320 ई. तक) ÷

➤ मलिक काफूर की मृत्यु के बाद, अलाउद्दीन खिलजी का वडा बेटा मुबारक खान आता है → (1316 ई. मे)

➤ मुबारक खान खुसरो खान से प्रेम करता था लेकिन खुसरो खान ने मुबारक खान को मार डाला और खुद सिंहासन पर बैठ गया।

खुसरो खान (1320 ई.) ÷

➤ ये कमजोर शासक था और ये मारा गया → गयासुद्दीन तुगलक द्वारा
↓
'गाजी मलिक' भी कहते है

तुगलक वंश (1320-1414 ई. तक)

गियासुद्दीन तुगलक ÷ (1320-1325 ई. तक) ÷

➤ खिलजी वंश के अंतिम राजा खुसरो खान की गाजी मलिक ने हत्या कर दी थी। गाजी मलिक गियासुद्दीन तुगलक की उपाधि धारण करके सिंहासन पर बैठा।

➤ तुगलक वंश का संस्थापक है।

➤ एक दुर्घटना में ग्यासुद्दीन तुगलक की मृत्यु हो गयी और उनके बेटे जौना (उलुग खान) ने मोहम्मद बिन तुगलक की उपाधि के साथ उनका उत्तराधिकारी बना।

मोहम्मद बिन तुगलक ÷ (1325-1351 ई. तक) ÷

➤ मोहम्मद बिन तुगलक के समय के दौरान यात्री आया → इब्न-बतूता (मोरक्को से)
→ रेहला (किताब लिखी)

➤ मोहम्मद " " " " लेखक → जियाउद्दीन बरनी
→ लिखा :- • तारीख ए फिरोज शाही
और
• तारीख ए -जहांदीरी

➤ मोहम्मद बिन तुगलक सिंध प्रांत में गया था तो थट्टा नामक जगह पर इसकी मृत्यु हो गयी थी तो वही सिंध प्रांत में इसकी कब्र है

PARMAR SSC

- मोहम्मद बिन तुगलक को सबसे बुद्धिमान मूर्ख (wisest fool) के नाम से जाना जाता है।
- दोआब में कराधान (1326 में) लगाया। क्योंकि कुछ गलत कदम उठाये जाने से राजकोष खाली होता जा रहा था।
  - दोआब → land between two rivers
- 1327 में राजधानी का स्थानांतरण → दिल्ली से दौलताबाद/देवगिरि किया
  - देवगिरि → इसी को कहते
- मोहम्मद बिन तुगलक ने खुरासान अभियान (expedition) का प्रस्ताव रखा। (1329 में)
- कराचिल अभियान (1330 में) किया। असफल रहा → बर्फ पड़ने के कारण
- सांकेतिक मुद्रा (token currency) का परिचय दिया (1329) → उच्च मूल्य वाली कांस्य मुद्रा

फिरोजशाह तुगलक (1351-1388 ई. तक) *

- मुहम्मद बिन तुगलक का cousin था।
- सैनिको को नगद भुगतान नही किया जाता था, बल्कि गाँवो के भू-राजस्व (वजेहा) पर असाइनमेंट द्वारा भुगतान किया जाता था।
  - गांवो को वजेहा बोला जाता था।
- फिरोजशाह के समय से ही जजिया एक अलग कर बन गया।
- कराधान की नई प्रणाली कुरान के अनुसार थी। कुरान द्वारा स्वीकृत 4 प्रकार के कर लगाए गए। ये कर थे → खराज, जकात, जजिया और खम्स
- खराज भूमि कर था, जो भूमि की उपज के $1/10$ के बराबर था, जकात संपत्ति पर 2% कर था; जजिया गैरमुसलमानो पर लगाया जाता था और खम्स युद्ध के दौरान पकड़ी गयी लूट का $1/5$ था।
- फिरोजशाह तुगलक ने कई नहरो की मरम्मत की और हक-ए शर्ब या हासिल-ए-शर्ब लगाया।
  (water tax)
- वह एक महान निर्माता था। फतेहाबाद, हिसार, जौनपुर और फिरोजाबाद शहर उसके श्रेय के लिए है।
  - जौनपुर → जौना खान (MBT) के नाम पर
  - फिरोजाबाद → खुद

- सुल्तान ने दिल्ली में दार-उल-शिफ़ा नामक एक अस्पताल की स्थापना की।
- गरीब लडकियो की शादी के लिए प्रावधान करने के लिए "दीवान-ए-खैरात" का एक नया विभाग स्थापित किया गया था।
- इसका प्रधानमंत्री था → "खान-ए-जहाँ मकबुल"
- इक्ता व्यवस्था को वंशानुगत बना दिया फिरोजशाह तुगलक ने।

तैमूर आक्रमण (Taimur Invasion) ÷

- तैमूर आक्रमण → 1398 में
  - तैमूर → Mangloid था
  - इस समय तुगलक वंश का अंतिम शासक "मुहम्मद शाह तुगलक" शासन कर रहा था।
- तैमूर का Military commader भारत में ही रुक गया तो उसने ही शासन करना चालू किया।

सैय्यद वंश (1414-1450 ई तक)

1. खिज्र खां (1414-1421 ई. तक) → संस्थापक
2. मुबारक शाह (1421-1434 ई. तक)
3. मुहम्मद शाह (1434-1443 ई. तक)
4. आलम शाह (1443-1451 ई तक)

[इन सबसे कोई Question नही पूछा जाता]

लोदी वंश (1451-1526)

- दिल्ली सल्तनत का अंतिम वंश
- संस्थापक = बहलोल लोदी

बहलोल लोदी (1451-1488) ÷

- बहलोल लोदी अफगान सरदारो में से एक था। उसने तैमूर के आक्रमण के बाद पंजाब में स्वयं को स्थापित कर लिया था।

PARMAR SSC

सिकंदर लोदी (1489-1517)÷

- बहलोल लोदी का बेटा है
- सिकंदर लोदी ने राजधानी दिल्ली से आगरा में स्थानांतरित कर दी, जो उन्हीं के द्वारा स्थापित शहर था।
- सिकंदर लोदी ने कृषि के विकास मे गहरी रुचि ली। इन्होंने खेती वाले खेतो को मापने के लिए 32 अंको की गज-ए-सिकंदरी (सिकंदर का यार्ड) की शुरुआत की।
- वह एक कवि थे और फारसी मे 'गुलरुखी' उपनाम से कविताए लिखते थे।

> अलाउद्दीन खिलजी जासूसीप्रथा का प्रचलन किया था उन जासूसो को (मुनैया) कहते थे

- इसने "मोठ की मस्जिद" बनाने का आदेश दिया।
  - → दो गुम्बद वाली संरचना (Double dome structure) — Imp.

इब्राहिम लोदी ÷(1517-1526) ÷

- सिंकदर लोदी का बेटा है।
- इब्राहिम लोदी ने 1526 में बाबर के साथ पानीपत का युद्ध लड़ा।
  - के दुश्मन → दौलत खान (इन्ही के चाचा पंजाब प्रांत मे शासन)
- दौलत खान ने बाबर को Invite किया कि आओ और इब्राहिम लोदी को मारो
- दिल्ली सल्तनत का अंत होता है, क्योंकि बाबर ने दौलत खान को भी मारडाला था।

* केन्द्रीय प्रशासन *

- दीवान ए विजारत → वित्त विभाग
- दीवान ए अर्ज → सैन्य विभाग (बलबन)
- दीवान-ए-इंशा → पत्राचार विभाग
- दीवान ए रिसालत → अपील विभाग
- दीवान ए मुस्तखराज → बकाया विभाग (Dep. of Arrears) (अलाउद्दीन खिलजी)
- Imp. दीवान ए कोही → कृषि विभाग (M.B.T) ने शुरू किया
- दीवान-ए-बंदगान → गुलामो का विभाग
- दीवान-ए-खैरात → दान विभाग
  - → फिरोजशाह तुगलक (F.S.T)
- दीवान-ए-इस्तियाक → पेंशन विभाग

(कुतुबमीनार की चौथी और 5वी मंजिल बनवाई F.S.T ने)

PARMAR SSC